उत्तर प्रदेश शासन

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3

संख्या-163/2015/1465जेएल/22-3-16-300(8)/2016

लखनऊ: दिनांक: 03 मई, 2016

वारण्ट

केन्द्रीय कारागार, बरेली में निरूद्ध निम्नलिखित 05 सिद्धदोष बंदियों को मुख्य चिकित्साधिकारी, बरेली द्वारा मानसिक रोग से ग्रसित पाया गया है :-

(1) नीनू सिंह पुत्र श्री विजय कुमार उर्फ मुन्नू ठाकुर।
(2) जवाहर वर्मा पुत्र श्री सुखलाल।
(3) खचेड़ू पुत्र श्री मानसिंह।
(4) श्यामवीर पुत्र श्री लाखन राम।
(5) फजुलरहमान पुत्र श्री अताउर्रहमान।

2- अतएव उ0प्र0 जेल मैनुअल के प्रस्तर-510 एवं प्रिजनर्स एक्ट-1900 की धारा-30(1) के अन्तर्गत आदेशित किया जाता है कि उक्त बंदीगणों को मानसिक रोग के उपचारार्थ मानसिक चिकित्सालय, वाराणसी स्थानान्तरित कर दिया जाये तथा स्वस्थ होने के उपरान्त दण्ड की शेष अवधि भोगने हेतु उन्हें केन्द्रीय कारागार, बरेली में वापस भेज दिया जाये।

हरि नारायण गिरि
अनु सचिव।

संख्या-163/2015/1465जेएल(1)/22-3-15-उक्तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ को उनके पत्र संख्या-9850/सामा-1(1)/मानसिकबंदी/3/2016, दिनांक 30-03-2016 के संदर्भ में मूल संलग्नको सहित।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, बरेली।
3- प्रमुख अधीक्षक, मानसिक चिकित्सालय, वाराणसी।
4- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(हरि नारायण गिरि)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in